चीनी भाषा पाठ्यक्रम के अतिरिक्त गाइड
(गैर-चीनी भाषी विद्यार्थियों के लिये)

कार्यकारी सारांश

आमुख

१. यह अतिरिक्त गाइड साधारण पाठ्यक्रम की व्यवस्था के आधार पर उन चीनी भाषा सीख रहे हुए गैर-चीनी भाषी विद्यार्थियों की परिस्थितियों को देखते हुए बनाया गया है।इस में चीनी भाषा पाठ्यक्रम लागू करने का सिद्धांत, रणनीति और सलाह आदि पूरक सूचना के रूप में दिए जाते हैं। चीनी भाषा पाठ्यक्रम की पूर्णतावादी दृष्टि पाने के लिये, पाठकों को यह अतिरिक्त गाइड के साथ आजकल कुछ सालों में प्रकाशित किये हुए चीनी भाषा के अनेक अन्य पाठ्यक्रम गाइड भी पढ़ने चाहिये।

भाग १ परिचय

२. हांगकांग में गैर-चीनी भाषी विद्यार्थियों द्वारा बोली जाने वाली सामान्य भाषाएँ ये हैं: उर्दू ,अंग्रेज़ी, नेपाली भाषा, तगालोग और हिन्दी।

३. हांगकांग की भाषा शिक्षा की नीति का लक्ष्यों यह है: विद्यार्थियों की दुभाषिया(चीनी और अंग्रेज़ी) या त्रिभाषिया (कैंटनीज, भू तोन हूआ और अंग्रेज़ी) क्षमता को बढ़ाएँगे। हांगकांग में स्थानीय स्तर पर समाज में और चीनी कक्षाओं में कैंटनीज और परंपरागत चीनी लिपि के बहुत व्यापक उपयोग करते हैं। इसलिये, हांगकांग में रहने वाले गैर चीनी भाषी विद्यार्थियों के लिये परंपरागत चीनी लिपि और कैंटनीज पढना बहुत लाभदायक है, जिससे वे लोग हांगकांग के समाज में एकीकृत किया जा सकें।

भाग २ पाठ्यक्रम की व्यवस्था

४. हांगकांग पाठ्यक्रम सुधार परिषद के द्वारा बनाये गए हुए चीनी भाषा पाठ्यक्रम में बहुत लचीला और विस्तृत पाठ्यक्रम व्यवस्थाएँ दी जाती हैं, और यह पाठ्यक्रम पूरे हांगकांग के प्राइमारी स्कूलों और मिडिल स्कूलों के सभी विद्यार्थियों पर लागू होता है। प्रत्येक स्कूल इस केंद्रिय पाठ्यक्रम के अनुसार अपने पाठ्यक्रम अनुकूलित कर सकता है और अपने विद्यार्थियों की विभिन्न परिस्थितियों तथा विविध सीखने की आवश्यकताओं पर ध्यान रखना चाहिये।

५. चीनी भाषा शिक्षा के क्षेत्र में निम्नलिखित नौ मुख्य विषय हैं: पढना, लिखना, सुनना और समझना, बोलना, चीनी साहित्य, चीन का संस्कृति, गुण और भावनाओं का विकास, विचार-प्रद्धति,और स्वयम भाषा सीखना। ये नौ विषय पढ़ाई के नौ पहलुओं पर ध्यान देते हैं और सभी विद्यार्थियों के लिये व्यावहारिक हैं।

६. प्रत्येक स्कूल को गैर चीनी भाषी विद्यार्थियों के लिये चीनी भाषा शिक्षा की विशेषताओं के अनुसार यथार्थवादिता से पढ़ाई के विभिन्न तत्त्वों पर ध्यान देना चाहिये और व्यावहारिक विषय पर उपयुक्त कोर्स का निर्माण करना चाहिये। उदाहरण के लिये, चीनी अक्षरों का पहचानना और लिखना, आपस में बातचीत करने की क्षमता,जानकारी ग्रहण करने की कुशलता, सौंदर्य-रुचि, विभिन्न संस्कृति, नैतिकताओं और भावनाओं का विकास, और स्वयम भाषा सीखने की कौशल आदि।

७. चीनी सीखने की प्रक्रिया में गैर चीनी भाषी विद्यार्थियों के लिये द्वितीय भाषा ग्रहण करने की विशेषता दिखायी जाती है: सुनने और बोलने से शुरू करके, अक्षरों को पहचानेंगे, फ़िर लिपि सीखेंगे, इस के बाद पढ़ना सीखेंगे, और अंत में पढ़ने के साथ लेखन सीखेंगे।

भाग ३ पाठ्यक्रम की योजना

८. प्रत्येक स्कूल को गैर चीनी भाषी विद्यार्थियों की क्षमता, चीनी भाषा सीखने की विभिन्न स्तर, और रुचि के आधार पर चीनी भाषा पाठ्क्रम की योजना बनानी चाहिये। पाठ्यक्रम की योजनाएँ बनाने के सिद्धांतों में जो शामिल किये

जाने चाहिये, जैसे संतुलित और विशद भाषा सीखने की व्यवस्था देनी चाहिये, छात्रों की परिस्थिति के अनुसार कोर्स बदलना चाहिये, और छात्रों और उन के पिता-माता की आशाओं का उत्तर देना चाहिये।

९. अनेक स्कूलों के व्यवहारिक अनुभव के आधार पर पाठ्यक्रम संगठित करने के चार तरीके वर्गीकृत किये जा सकते हैं, ये हैं: चीनी भाषा कक्षा में डुबाना, सहयोग देकर संक्रमण कराना तथा जोड़ना, विशेष लक्ष्यों पर निशान किये हुए चीनी भाषा सीखना, संघटक तरीकों से भाषा सीखना।

भाग ४ पाठ्यक्रम संगठित करने के तरीके

१०. निम्नलिखित पाठ्यक्रम संगठित करने के चार तरीके हैं, जिन में से कोई स्कूल अपने पाठ्यक्रम को संगठित करने के लिये अपनी आवश्यकता के अनुसार लचीला चुनाव कर सकता है।

- पहला तरीका: चीनी भाषा कक्षा में डुबाना

  गैर चीनी भाषी विद्यार्थी और चीनी भाषी विद्यार्थी एक साथ एक ही कक्षा में बैठकर भाषा सीखेंगे। पर इस तरीके का प्रयोग करते समय यह याद रखना ज़रूरी है कि भाषा सीखने में सभी विद्यार्थियों की आवश्यकता अलग अलग होती है, इसलिये कक्षाओं के अलावा, स्कूलों को यह प्रस्तुत करना चाहिये कि सीखने के विभिन्न पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए विद्यार्थियों को सुधारात्मक अभ्यास देंगे, जिससे गैर चीनी भाषी विद्यार्थियों को चीनी भाषा कक्षा में जल्दी से मिलने के लिये सहायता देते हैं।

  अनुकूल परिस्थिति: यह तरीका उन विद्यार्थियों पर लागू होता है, जो लोग छोटी उमर में तो हांगकांग में आ गये और चीनी भाषा से चलने वाले किंडरगार्टन में शिक्षा लेने लगे, जिस के चीनी भाषा का स्तर इतना होता है कि चीनी भाषा से पढ़ाई कर सकता है।

  श्रेष्ठता: ऐसी कक्षा में चीनी भाषा सीखने के लिये वातावरण बहुत समृद्ध है, सब लोग मिल-जुडकर मेल से रहते हैं और एक दूसरे की मदद करते हैं, अलग अलग जांतियाँ और संस्कृति एकीकृत होती हैं।

  चुनौती: गैर चीनी भाषी विद्यार्थियों और चीनी भाषी विद्यार्थियों को एक साथ एक ही कक्षा में बैठकर भाषा सीखना चाहिये, कक्षाओं के बाद स्कूल से सुधारात्मक अभ्यास कराना ज़रूरी है, विद्यार्थियों को जाँच और निश्लेषण करके राय देने के उपाय की आवश्यकता पड़ती है।

- दूसरा तरीका: सहयोग देकर संक्रमण कराना तथा जोड़ना

  विद्यार्थी आरंभ में साधारण चीनी भाषा की कक्षा से दूर बैठते हैं, इस के विपरित,सब से पहले उनको अपेक्षाकृत थोड़े समय तक चीनी भाषा की गहन कक्षा देंगे, जिससे उनके चीनी भाषा का स्तर जल्दी से बढ़ाएंगे ताकि वे दूसरे चीनी भाषी विद्यार्थियों व ऊँची भाषा स्तर वाले विद्यार्थियों के साथ कक्ष ले सकते हैं।

  अनुकूल परिस्थिति: यह तरीका उन विद्यार्थियों पर लागू होता है, जो युवा काल में हांगकांग में आये और थोड़ी देर से चीनी मालूम करते हैं, पर उन की इच्छा हो कि हांगकांग में आगे पढ़ाई करें और ऐसा धंधा ढूँढ जाएं जो अच्छी तरह चीनी बोलने से ही चल रहा है।

  श्रेष्ठता: ऐसे तरीके से विद्यार्थियों के लिये बहुत गहन चीनी भाषा की कक्षाएँ मिल सकती हैं, और ऊँचे स्तर की कक्षा के अनुकूलन में भी पर्याप्त समय मिलता है। और इन लोगों के लिये ,जिस के चीनी भाषा का स्तर अच्छा नहीं है, सबसे पहले निम्न स्तर से शुरू कर सकते हैं।

  चुनौती: निश्लेषण करके राय देने का उपाय की आवश्यकता पड़ती है, और विद्यार्थियों को प्रारंभिक स्तर से पढ़ाई शुरू करनी चाहिये।

- तीसरा तरीका: विशेष लक्ष्यों पर निशान किये हुए सीखना

  विद्यार्थी विशेष लक्ष्यों पर निशान किये हुए साधारण संपर्क करने के लिये चीनी भाषा सीखेंगे।

  अनुकूल परिस्थिति: यह तरीका उन दो तरह के विद्यार्थियों पर लागू होता है ,पहली तरह जो हैं, वे विदेश से हांगकांग वापस आये, और थोड़े समय के लिये यहाँ रहेंगे, बेसिक पढ़ाई समाप्त करने के बाद हांगकांग से निकल जाएंगे। आम तौर पर इसी तरह के विद्यार्थियों के चीनी भाषा का स्तर अच्छा नहीं है, और उनकी हांगकांग में आगे शिक्षा लेने या यहाँ कोई एक नौकरी ढूँढने की कोई इच्छा भी नहीं है। या दूसरी तरह जो हैं, वे युवा-काल में ही हांगकांग आये और बहुत देर से चीनी भाषा को मालूम करते हैं, और भी आगे

शिक्षा हांगकांग में नहीं लेंगे तथा अच्छी तरह चीनी बोलने से चलने वाला काम नहीं चाहिये।

श्रेष्ठता: इस तरीके से चीनी भाषा सिखाते समय विद्यार्थियों के लिये वास्तविक जीवन के आधार पर भाषा सीखने का दयारे संकुचित और परिष्कृत कर सकते हैं, और भाषा सीखने वालों की विशेष ज़रूरतों को सपष्ठ रूप से पूरे कर सकते हैं। संचार और आवेदन पर ध्यान कंद्रित करके विभिन्न सीखने के स्तर की ज़रूरतों को लचीलापन से परे कर सकते हैं, इस बीच, भाषा सीखने के साथ पैदा हुए मानसिक दबाव और बोझ को भी कम कर सकते हैं।

चुनौती: सिर्फ़ सीखने की विशेष आवश्यकताओं को पूरा किया जा सकता हैं।

- चौथा तरीका: संघटक तरीकों से भाषा सीखना

एक ही स्कूल में अलग-अलग गैर चीनी भाषी विद्यार्थियों की विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा करने के लिये, और उन की विविध आकांक्षाओं और उम्मीदों की तृप्त करने के लिये,यह हो सकता है स्कूलों को अनेक पाठ्यक्रम बनाने के तरीकों को विकसित करना है, और विभिन्न पद्धतियाँ मिलकर इनका प्रयोग करना है।

अनुकूल परिस्थिति: यह तरीका जो स्कूलों पर लागू होता है, जिस में गैर भाषी विद्यार्थियों की संख्या बहुत बड़ी है और अधिकाँश विद्यार्थी विविध पृष्ठभूमियों से हैं। विद्यार्थियों के माता-पिता के अलग अलग निवेदन व आशा होती हैं,इस बीच विद्यार्थियों की चीनी भाषा के स्तर में भी बड़ा अंतर है।

श्रेष्ठता: व्यक्तिगत विद्यार्थी की आवश्यकताएँ विभिन्न ट्यूटोरियल से पूरी की जा सकती हैं।

चुनौती: विभिन्न लक्ष्यों के विविध जरूरत को पूरा करने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों की योजना करनी है और अधिक शिक्षा संसाधनों का वितरण करने की आवश्यकता पड़नी है।

भाग ५ सीखना और सिखाना

११. गैर चीनी भाषी विद्यार्थियों को चीनी भाषा शिक्षण देने के लिये यह जानना ज़रूरी है कि मातृभाषा और द्वितीय भाषा ग्रहण करने में बड़ा अंतर होता है, इसलिये सीखने और सिखाने की लक्षित रणनीतियों का प्रयोग करना चाहिए।

१२. चीनी से अपनी मातृभाषाओं के अंतर से प्रभावित होने की कारण, चीनी भाषा सीखने की प्रक्रिया में गैर चीनी भाषी विद्यार्थियों को ऐसे विषयों पर कठिनाइयों का सामना करने की संभावना होगी, जैसे चीनी लिपि, टन, शब्दवाली, परिमाणवाचक शब्द और शब्द-क्रम आदि।

१३. सीखने और सिखाने का सिद्धांत : छात्रों की क्षमता अच्छी तरह जानना, सीखने के लक्ष्यों को अच्छी तरह से परिभाषित करना, सीखने की विविध आवश्यकताओं पर ध्यान देना, सीखने का स्तर समायोजित करना, सीखने की सामग्री अनुकूलित करना, स्वयं सीखने के योग्य संसाधनों के उपयोग लचीलापन से करना।

१४. सीखने और सिखाने की रणनीति : नकली से बोली चीनी को विकसित करना, अक्षर को पहचानने के शिक्षण लिपि सीखने से अलग देना, छात्रों की शब्दावली और मानसिक विकास के अनुसार पढ़ने की सामग्री देना, लेखन सिखाना पढ़ना के साथ एकीकृत करके होना, चीनी भाषा सीखने के माहौल बनाना, और सहकार सीखना।

भाग ६ मूल्यांकन

१५. मूल्यांकन करना सीखने व सिखाने का एक अभिन्न अंग है।विद्यार्थियों के सीखने का प्रदर्शन पूर्णतः मूल्यांकन करने के लिये अलग दृष्टिकोण अपनाना चाहिये। शिक्षकों को मूल्यांकन से पायी हुई प्रतिपुष्टि का प्रयोग अच्छी तरह से करना चाहिये, और सीखने की प्रगति के अलग अलग चरणों को समझना चाहिये।

१६. विभिन्न सीखने के तरीके से चीनी भाषा सीखने के बाद, गैर चीनी भाषी विद्यार्थियों के लिये अलग अलग तरह के मूल्यांकन होते हैं और इस के अधारित पर उन को अलग अलग उपाधि भी मिलती हैं। विद्यार्थियों को चीनी भाषा की मिन्नलिखित उपाधि मिल सकती हैं: हांगकांग शिक्षा परीक्षा का उपाधि (Hong Kong Certificate of Education Examination, HKCEE)। हांगकांग वरिष्ठ स्तर परीक्षा (The Hong Kong Advanced level Examination, HKALE)। आनेवाले हांगकांग माध्यमिक शिक्षा का डिप्लोमा (The coming HongKong Diploma of Secondary Education, HKDSE)। जनरल शिक्षा का प्रमाणपत्र (General Certificate of Education, GCE)। अंतर्राष्ट्रीय जनरल माध्यमिक शिक्षा का प्रमाणपत्र (International General Ceritificate of Secondary

Education, IGCSE)। माध्यमिक शिक्षा का जनरल प्रमाणपत्र (General Certificate of Secondary Education, GCSE)

पाठ्यक्रम, मूल्यांकन और विविध रास्ते के विन्यास, कृपया निचे चित्र की द्रष्टि देखें

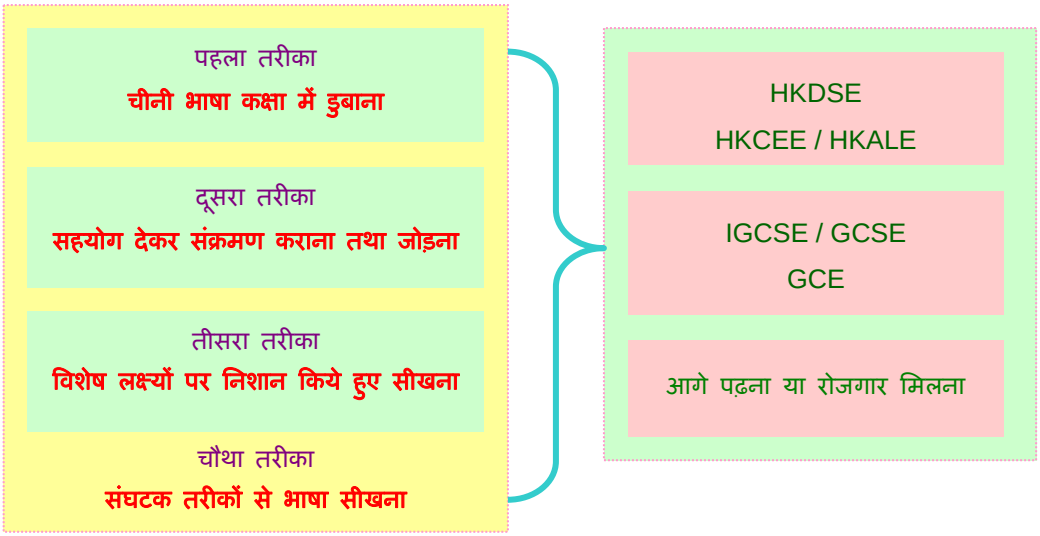

भाग ७ सीखने और सिखाने का संसाधन

१७. गैर चीनी भाषी विद्यार्थियों के लिये उपयुक्त पाठ्यक्रम संसाधनों का विकास करना,जैसे मूल शब्द, स्वयमं सीखने के सॉफ्टवेयर, स्कूल पाठ्यक्रम डिबग के उदाहरण, स्कूल आधारित पाठ्यक्रम अनुकूलित करने की योजनाओं के उदाहरण, सीखने और सिखाने की प्रक्रिया के उदाहरण, सीखने वाली सामग्री, सीखने के प्रदर्शनों को जाँच करने वाले उपाय आदि।

१८. गैर चीनी भाषी विद्यार्थियों के लिये आगे देने वाले सेवा या संसाधन : स्कूल में जाकर सहायता देने वाली सेवा जारी रखना ,विश्वविद्यालयों, कॉलेजों या अन्य संस्थाओं व गैर सरकारी संगठनों से मज़बूत साझेदारी विकसित करने की योजना,शिक्षक व्यावसायिकता में वृद्धि करना,छात्रों के माता-पिता के लिये सहायता देना, समुदाय के सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण करना,विभिन्न अनुसंधान और विकास करने की परियोजनाएं आदि।

परिशिष्ट

१९. निम्नलिखित संदर्भ सामग्रियाँ शामिल हैं : आधुनिक चीनी की विशेषता, चीनी अक्षरों के कण और लिपि के घटक, चीनी भाषी क्षेत्रों में चीनी भाषा सीखने का अनुभव, और पाठ्यक्रम और पढ़ाने पर उदाहरण की एक श्रृंखला, जैसे स्कूल से द्वारा किया गए सीखने के उद्देश्यों का समायोजन, स्कूलों के पाठ्यक्रम की रूपरेखा व शिक्षा की योजना तथा कार्य-क्रम की उदाहरण, स्कूलों की सीखने की सामग्रियों के परिचय, पढ़ना, लिखा, सुनना और बोलना आदि शिक्षण की गतिविधियों की उदाहरण आदि। विदेश में चीनी भाषा की परीक्षा के परिचय ,गैर चीनी भाषी छात्रों के लिये बेसिक शिक्षा ग्रहण करके विविधीकरण रास्ते, गैर चीनी भाषी विद्यार्थियों के लिये सहायक शिक्षण संदर्भ, अन्य सीखने और सिखाने के लिये उपलब्ध सामग्री आदि।

शिक्षा विभाग, हांगकांग विशेष प्रशासनिक क्षेत्र
नवम्बर, 2008

इस दस्तावेज़ को मूल चीनी में लिखा है, और इस का अनुवाद चीनी संस्करण के आधार पर किया गया है, अगर इस अनुवाद संस्करण और चीनी संस्करण के बीच कोई अंतर होता है, तो चीनी संस्करण अभिभावी होगी।